मधुमेह कार्यक्रम

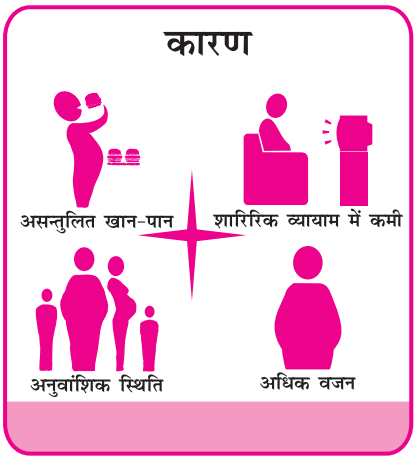

मधुमेह (चीनी की बीमारी) एक खतरनाक बीमारी है यह शरीर के सभी अंगों को प्रभावित करती है। वर्त्तमान जीवन शैली के चलते इस बीमारी की संख्या मे निरंतर वृद्धि हो रही है। भारत में लगभग 5 करोड़ लोग मधुमेह (चीनी की बीमारी) से ग्रसित है। वर्ष 2030 तक यह संख्या दोगुनी होने की संभावना है।

मधुमेह की रोकथाम के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। मधुमेह की पहचान करने के लिए विभिन्न माध्यमों से आम जन के बीच व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है। विभिन्न कैम्पों के माध्यम से संदिग्ध मधुमेह रोगियों की जांच कर मधुमेह से बचाव के लिए लोगों को बताया जा रहा है।

AAPIO के द्वारा पटना जिले के अंतर्गत मधुमेह तथा कैंसर संबंधित शिविरों का आयोजन फुलवारी शरीफ में किया जा रहा है । शहरी स्लम क्षेत्रों में भी यह अध्ययन एवं सेवा विस्तारित की जा रही है ।

पटना शहर के विभिन्न स्लम क्षेत्रों में कम्युनिटि मेडिसिन विभाग, पटना के द्वारा सघन अभियान चला कर कुल 1792 मरीज व्यक्तियों की जाँच की गई जिसमें मधुमेह के लिये 1180 व्यक्तियों की शारीरिक जाँच एवं रक्त जाँच किया गया।

राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार एवं नोभो नोरडिस्क एजुकेशन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में पटना, भागलपुर एवं नालंदा जिलों में Changing Diabetes Barometer के अंतर्गत मधुमेह संबंधित कार्यशाला प्रशिक्षण एवं शिविरों का आयोजन किया जा रहा है । पायलट प्रोजेक्ट के रूप में तीन जिलों यथा पटना, नालन्दा एवं भागलपुर में मधुमेह संबंधी जाँच एवं जागरूकता का कार्य, मधुमेह से संबंधित जिला स्तरीय चिकित्सा पदाधिकारी एवं पारा मेडिकल स्टाफ का प्रशिक्षण, 50 लाख की आबादी में लगभग 10 लाख व्यक्तियों का मधुमेह बीमारी संबंधी सर्वेक्षण, मधुमेह रोगियों तथा उनके Complication के ईलाज तथा जागरूकता हेतु आवश्यक कदम उठायें जा रहें है।

पटना एवं भागलपुर में जॉच किये गये मरीजों की विवरणी निम्न है :–

जिला का नाम	कुल जाँच किये गये व्यक्तियों की संख्या	मधुमेह से ग्रसित नये मरीजों की संख्या	किये गये HbA1c
पटना	47684	1382	1509
भागलपुर	28296	580	1263